

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

Test Booklet No.

J-7108

PAPER – III

Time : 2½ hours]

FOLK LITERATURE

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

# Test Prime

**ALL EXAMS,  
ONE SUBSCRIPTION**



**70,000+**  
Mock Tests



**Personalised  
Report Card**



**Unlimited  
Re-Attempt**



**600+**  
Exam Covered



**Previous Year  
Papers**



**500%  
Refund**



**ATTEMPT FREE MOCK NOW**

**FOLK LITERATURE****लोक साहित्य****PAPER – III****प्रश्न-पत्र – III**

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

## खण्ड – I

**Note :** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

*Read the passage below and answer the questions that follow based on your understanding of the passage.*

The past two decades have witnessed a tremendous resurgence of interest in folklore in many parts of India. The initiative in this movement has generally been with departments of regional languages and Literature. As a result, regional folklore is seen as a part of regional history, culture and Literature. Courses on folklore are usually taught by faculty originally trained in the literature of a particular Indian language. Research on regional folklore, including research on folk society, folk religion and folk arts, is dominated by scholars of these departments and doctoral research on folklore continues to be promoted primarily in these programmes. It is not surprising, therefore, to find that folklore collection is often centred around regional historical interests and dominated by theoretical assumptions associated with the evolutionary view that oral traditions are historical antecedents of literary ones. It is also often text-oriented, ignoring many dimensions of the contexts. Furthermore, this regional folklore is thought to be of interest only to scholars of a particular region and even within India relatively little of the massive collection effort ever gets translated into other Indian or International languages. As a result of the tendencies above, regional collections of Indian folklore have received far less attention both nationally and internationally than they deserve and Indian folkloristics has grown up in a relatively specialized and insulated intellectual environment, with a heavy reliance on evolutionary theories. In this, it resembles the early days of European and American folkloristics. Alan Dundes's recent summary of this period in Western folkloristics characterizes much of the folklore scholarship one finds practiced in many parts of India today.

**नीचे दिया गया परिच्छेद पढ़िए और अपनी समझ के आधार पर नीचे दिये प्रश्नों का उत्तर दीजिये।**

पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई भागों में लोकवार्ता में रुचि का विस्मयकारी पुनर्जीवन दिखाई पड़ा है। इस आन्दोलन में पहल सामान्यतया प्रादेशिक भाषाओं और साहित्य के विभागों के साथ

हुई। परिणामस्वरूप, प्रादेशिक लोकवार्ता को प्रादेशिक इतिहास, संस्कृति और साहित्य के रूप में देखा जाता है। लोकवार्ता के पाठ्यक्रम सामान्यतः उस संकाय द्वारा पढ़ाए जाते हैं जो विशेष भारतीय भाषा के साहित्य में मूलतः प्रशिक्षित हैं। लोक समाज, लोकधर्म और लोककलाओं समेत प्रादेशिक लोकवार्ता में शोध पर इन विभागों के विद्वानों का प्रभुत्व रहा है, और लोकवार्ता पर विद्यावाचस्पति शोध मुख्य रूप से इन कार्यक्रमों में संवर्धित किया जाना जारी है। अतः, यह पाना आश्चर्यजनक नहीं है कि लोकवार्ता संग्रह अक्सर प्रादेशिक ऐतिहासिक रुचियों पर केन्द्रित रहता है और इस विकासवादी विचार से जुड़ी सैद्धान्तिक मान्यताएं हावी हैं कि मौखिक परम्परायें साहित्यिक परम्पराओं की ऐतिहासिक पूर्ववर्ती होती हैं। यह अक्सर मूल-पाठ अभिमुख भी होता है और प्रसंगों के कई आयामों की अवहेलना करता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रादेशिक लोकवार्ता विशेष प्रदेश के विद्वानों की रुचि का माना गया है और भारत में अन्दर भी महाकाय संग्रह का अल्प भाग भी अन्य भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में विरले ही अनुवादित होता है। उपरोक्त प्रवृत्तियों के फलस्वरूप, भारतीय लोकवार्ता के प्रादेशिक संग्रह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रूप से जितना ध्यान पाने योग्य है उससे बहुत कम ध्यान मिला है और भारतीय लोकवार्ता विज्ञान, विकासवादी सिद्धान्तों पर भारी निर्भरता के साथ तुलनात्मक रूप से विशिष्टीकृत और रोधित बौद्धिक वातावरण में विकसित हुआ है। इस बात में, यह यूरोपियन और अमरिकी लोकवार्ता विज्ञान के प्रारम्भिक दिनों के साथ मिलता-जुलता है। पश्चिमी लोकवार्ता विज्ञान में, एलेन डन्डे द्वारा इस युग का संक्षिप्त वर्णन लोकवार्ता विद्वत्ता का काफी उल्लेख करता है और यह भारत के कई भागों में प्रचलित है।

1. How was folklore seen in India according to the author ? Mention the reason.

लेखक के अनुसार भारत में लोकवार्ता को किस प्रकार देखा जाता है? कारण बताइये।

2. What were the main areas of folkloristics dominated in the research endeavours of the Indian Folklorists ? Why ?

भारतीय लोकवार्ताकारों के शोध प्रयत्नों में लोकवार्ता विज्ञान के कौनसे क्षेत्र प्रमुख हैं? क्यों?

3. Did the regional collections of Indian Folklore receive enough attention of the national and international folklorists ?

क्या भारतीय लोकवार्ता के प्रादेशिक संग्रह को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय लोकवार्ताकारों का पर्याप्त ध्यान प्राप्त हुआ?

4. In what aspect the Indian folkloristics of the last two decades resembled the early days of European and American folkloristics ?

पिछले दो दशकों का भारतीय लोकवार्ता विज्ञान यूरोपियन और अमरिकी लोकवार्ता विज्ञान के प्रारम्भिक दिनों के साथ किस पहलु में मिलता-जुलता है ?

5. What is the current trend found in the Indian folkloristics ?

भारतीय लोकवार्ता विज्ञान की वर्तमान प्रवृत्ति क्या है ?

## SECTION - II / खण्ड – II

**Note :** This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

**नोट :** इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Define folklore as verbal art ?

शाब्दिक कला के रूप में लोकवार्ता की व्याख्या कीजिये।

7. What is acculturation ?

परसंस्कृतिकरण क्या है?



8. Define the basic framework of Genre Theory in folklore.  
लोकवार्ता के विधात्मक सिद्धान्त के मूलभूत ढांचे की व्याख्या कीजिये।

9. What are the merits of observation method ?  
पर्यवेक्षण पद्धति के लाभ क्या हैं?

10. Why did most of the early Indian folklore scholars involved only in oral folklore collections ?

अधिकांश प्रारम्भिक भारतीय लोकवार्ता विद्वान क्यों सिर्फ मौखिक लोकवार्ता संग्रह से सम्बद्धित रहें?

11. Differentiate between 'Elite culture' and 'Folk culture'.

'संभ्रान्त संस्कृति' और 'लोक संस्कृति' के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिये।

12. What are the four functions of folklore ?

लोकवार्ता के चार कार्य क्या हैं?

13. What is the importance of 'Questionnaire' in field work of folklore ?

लोकवार्ता के क्षेत्र कार्य में 'प्रश्नावली' का क्या महत्व है?

14. Write the characteristics of folk epic by stating an example from your region.

अपने प्रदेश से उदाहरण देते हुए लोक महाकाव्य की विशेषतायें लिखिए।

15. How to differentiate between a myth and a Legend ?

मिथक और उपाख्यान (लीजेंड) के बीच किस प्रकार अन्तर कर सकते हैं?

16. Define the origin of folk Theatre.

लोक रंगमंच के उद्भव की व्याख्या कीजिये।

17. What is the role of proverbs in Folklore ?

लोकवार्ता में लोकोक्तियों की भूमिका क्या है?

18. Differentiate between folk media and mass media.

फोक मीडिया और मास मीडिया के बीच अन्तर कीजिये।

19. Differentiate between Folklore and fakelore.

फोकलोर और फेकलोर के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिये।

20. How could you distinguish folk literature from written literature?

किस प्रकार आप लोक साहित्य को लिखित साहित्य से अलग कर सकेंगे?

This image shows a blank sheet of white paper with horizontal grey ruling lines. At the bottom center, there is a small red triangular icon representing a pencil tip. The paper is otherwise empty of any text or markings.

**SECTION - III**  
**खण्ड – III**

**Note :** This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about 200 words. **(12x5=60 marks)**

**नोट :** इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है । (12x5=60 अंक)

21. Explain the status and achievements of Folklore Research in your State.  
अपने राज्य में लोकवार्ता शोध के दर्जे (स्तर) और प्राप्तियों को स्पष्ट कीजिये।
22. Compare the study models of V.J. Propp and Levi Strauss.  
वी.जे. प्रॉप्प और लेवी स्ट्रॉस के अध्ययन मॉडलों की तुलना कीजिये।
23. What can be the role of folk speech items in the models of communication ?  
संचार के मॉडलों में लोकवाणी मदों की क्या भूमिका हो सकती है?
24. Explain how folk medicine is very relevant in the modern world.  
आधुनिक विश्व में लोक औषधि किस प्रकार बहुत प्रासंगिक है? स्पष्ट करिये।
25. What are the problems faced by the folk performing artistes to-day ? Suggest the ways to tackle the same.  
आज लोक प्रदर्शनीय कलाकारों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? उन्हें सुलझाने के तरीकों का सुझाव दीजिये।























## SECTION - IV

## खण्ड – IV

**Note :** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

**नोट :** इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. What are the challenges faced by folklore in the age of globalisation ?  
भूमंडलीकरण के युग में लोकवार्ता को किन चुनौतियों को सामना करना पड़ता है?

OR / अथवा

What is the contribution of scholars in Indian Folk Studies ?  
भारतीय लोक अध्ययनों में विद्वानों का क्या योगदान है?

OR / अथवा

Write an article on folklore attached to the Legendric folk heroes who fought against the colonialists.

दंत कथायक लोकनायक, जिन्होंने उपनिवेशवादियों के विरुद्ध युद्ध किया, के साथ जुड़ी लोकवार्ता पर लेख लिखिये।

Adda247

















FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....